बी0ए0 संगीत (गायन) - प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम

<u>उद्देश्य</u> - इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को संगीत का प्रारम्भिक ज्ञान देना एवं उनको भारतीय शास्त्रीय संगीत के मूलभूत तत्वों से अवगत कराना है।

क्र0 सं0	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1	**संगीत परिचय**	**बी0ए0एम0वी0 - 101**	**100**	**3**
प्रथम खण्ड	***भारतीय संगीत व भारतीय संगीत शब्दावली***			
	इकाई 1 - संगीत एक परिचय। **इकाई 2 -** भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।			
	* **इकाई 3 -** परिभाषा (स्वर, श्रुति, आलाप, राग, सप्तक, ताल, लय, आवर्तन, ताली, खाली, विभाग व ठेका)।			
द्वितीय खण्ड	***ख्याल, तानपुरे का ज्ञान एवं जीवन परिचय***			
	* **इकाई 1 -** ख्याल की उत्पत्ति, विकास एवं घरानों का संक्षिप्त परिचय ; तानपुरे की संरचना एवं मिलाने की विधि।			
	इकाई 2 - संगीतज्ञों (पं0 वी0एन0 भातखण्डे, पं0 वी0 डी0 पलुस्कर व सदारंग-अदारंग) का जीवन परिचय ।			
	इकाई 3 - संगीतज्ञों (पं0 ओमकारनाथ ठाकुर, उ0 फैयाज खॉ व पं0 भीमसेन जोशी) का जीवन परिचय ।			
तृतीय खण्ड	***स्वरलिपि पद्धति, तालिपि पद्धति एवं गायन शैलियॉ***			
	* **इकाई 1 -** भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का परिचय, राग यमन परिचय एवं ख्याल(विलम्बित व मध्यलय) बन्दिशों को लिपिबद्ध करना, राग भैरव व बिलावल का परिचय एवं मध्यलय ख्याल को लिपिबद्ध करना, पाठयक्रम के रागों में ध्रुवपद दुगुन सहित।			
	* **इकाई 2 -** भातखण्डे तालिपि पद्धति का परिचय तथा पाठ्यक्रम की तालों को लयकारी (दुगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना।			
	* **इकाई 3 -** गायन शैलियों (ध्रुवपद, धमार, ठुमरी, टप्पा, दादरा व होरी) का संक्षिप्त परिचय।			

राग - यमन, भैरव व बिलावल	***ताल - तीनताल, एकताल व चारताल***

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1. वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।

2. हरीश चन्द्र श्रीवास्तव, राग परिचय (सभी भाग), संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद ।

3. श्रीमती शान्ति गोवर्धन, संगीत शास्त्र दर्पण ।

4. पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे, भातखण्डे क्रमिक पुस्तक मालिका (सभी भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।